डॉ.बाबासाहेब आंबेड़कर ओपन युनिवर्सिटी

सत्रांत परीक्षा अगस्त-२०१०

अभ्यासक्रम : स्नातक उपाधि अभ्यासक्रम (B.A. /B.Com.) *नोंधणी नंबर :* _____

पाठ्यक्रम : हिन्दी गद्य (EHD-01)

दिनांक : ०२-०४-२०१०

समय : ११.०० से २.०० *कुल गुण : ७०*

सूचना : (१) सभी प्रश्नों के उत्तर देना हैं ।
(२) दाहिनी ओर प्रश्नों के अंक दर्शाये गए हैं ।

प्रश्न-१ ससंदर्भ व्याख्या लीखिए ।

(क) ''लड़ाई के समये चांद निकल आया था । ऐसा चाँद जिसके प्रकाश से संस्कृत कवियों का दिया हुआ ''क्षमा'' नाम सार्थक होता है । और हवा ऐसी चल रही थी, जैसे कि बाणभट्ट की भाषा में ''है दंतवीणोपदेशाचार्य'' कहलाती है । (७)

(ख) ''शहर में कोई हलचल न मारकाट । एक बूंद भी खून नही गिरा था । आज तक किसी स्वाधीन देश के राजा की पराजय इतनी शांति से, इस तरह खून बहे बिना न हुई होगी । यह वह अहिंसा न थी, जिस पर देवगण प्रसन्न होते हैं । यह वह कायरपन था जिस पर बड़े-बड़े कायर भी आँसू बहाते हैं ।'' (६)

अथवा

(क) ''अपराधी जैसे दण्ड की प्रतीक्षा करता है, उसी भाँति वह विवाह की प्रतीक्षा करती थी उस विवाह की जिसमें उनके जीवन की सारी अभिलाषाएँ विलीन हो जाएगी, जब मंडप के नीचे बने हुए हवनकुण्ड में उसकी आशाएँ जलकर भस्म हो जाएगी ।'' (७)

(ख) ''अगर तुम इसके बोझ से दबे जाते हो तो आज से में इस पर तुम्हारा साया भी नहीं पड़ने दूँगी । जिस रतन को मैने इतनी तपस्या के बाद पाया है उसका निरादर करते हुए तुम्हारा हृदय फट नहीं जाता ।'' (६)

प्रश्न-२ (अ) सिद्ध कीजिए कि 'निर्मला' उपन्यास समस्यामूलक उपन्यास है । (७)

(ब) लहनासिंह का चरित्र-चित्रण कीजिए । (७)

अथवा

(अ) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की भाषा शैली । (७)

(ब) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक रचना की दृष्टि से एक सफल नाटक है अपना मत प्रगट कीजिए । (७)

www.StudyGuideIndia.com

प्रश्न-३ (अ) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए । (७)

(ब) 'आकाश -दीप' कहानी की कथावस्तु और उसका उद्देश्य स्पष्ट करें । (७)

अथवा

(अ) 'परदा' कहानी का केन्द्रीय भाव स्पष्ट कीजिए । (७)

(ब) 'उसने कहा था' कहानी की भाषा शैली के बारे में अपने विचार प्रगट करें । (७)

प्रश्न-४ (अ) 'रीढ की हड्डी' कहानी का देशकाल वातावरण की चर्चा करें । (७)

(ब) 'कौमुदी महोत्सव' की भाषा शैली पर अपने विचार प्रकट करें । (७)

अथवा

(अ) माथुरजी के द्वारा समाज पर करारा व्यंग्य कसा हैं इस कथन को सार्थक कीजिए । (७)

(ब) आचार्य शुक्ल के निबंध के बारे में अपनी राय प्रगट करें । (७)

प्रश्न-५ किन्ही तीन पर टिप्पणी लिखिए । (१५)

१. जयशंकरप्रसाद की राष्ट्रीय भावना ।
२. 'कौमुदीमहोत्व' में ऐतिहासिकता ।
३. हिन्दी गद्य में 'प्रेमचंद' का योगदान ।
४. 'नाखून क्यों बढते है' - भाषा शैली ।
५. 'अकेली' कहानी के शीर्षक की सार्थकता ।
६. चंपा का चरित्र चित्रण ।

---

www.StudyGuideIndia.com

डॉ.बाबासाहेब आंबेड़कर ओपन युनिवर्सिटी

सत्रांत परीक्षा अगस्त-२०१०

अभ्यासक्रम : स्नातक उपाधि अभ्यासक्रम (**B.A./B.Com.**) *नोंधणी नंबर :* _____

पाठ्यक्रम : हिन्दी पद्य (**EHD-02**)

दिनांक : ०२-०४-२०१०

समय : ३.०० से ६.०० *कुल गुण : ७०*

सूचना : (१) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं ।

(२) दाहिनी ओर प्रश्नों के अंक दर्शाए गए हैं ।

प्रश्न-१ निम्न लिखित पद्यांशो में से किन्हीं तीन की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए । (३०)

(क) ''निसदिन बरसत नैन हमारे ।
सदा रहित पावस ऋतु हम पै, जब तें श्याम सिधारे ।
दृग अंजन लागत नहिं कबहूँ उर कपोल भये कोरे ।
कंचुकि नहिं सूखत सुनु सजनी, उर विच बहत पनारे ।
सूरदास प्रभु अंबु बढ़यौ है, गोकुल लेहु उबारे ।
कहलौ कहाँ स्यामधन सुन्दर विकल होत अति भारे ।''

(ख) ''तन की दुति स्याम सरोरुह लोचन कंज की मंजुलताई हरै ।
अति सुन्दर सोहत धूरि भेंर, तनु भूरी अनंग की दूरी करै ।
दमकें दतियाँ दुति - दामिन ज्यों, किलकें कित बाल- विनोद करै ।
अबधेस के बालक चारि सदा, तुलसी मन मंदिर में बिहरें'' ।

(ग) ''स्तब्ध ज्योत्स्ना में जब संसार
चकित रहता शिशु सा नादान,
विश्व के पलकों पर सुकुमार,
विचरते हैं जब स्वप्न अनजान
न जाने नक्षत्रों से कौन,
निमंत्रण देता मुझको मौन ।''

(घ) 'मन मोहिनी प्रकृति की जो गोद में वसा है,
सुख स्वर्ग सा जहाँ है, वह देश कौंन सा है ?
जिसके चरण निरन्तर रत्नेश धो रहा है
जिसका मुकुट हिमालय, वह देश कौन सा है?
नदियाँ जहाँ सुधा की धारा बहा रही हैं
सींचा हुआ सलोना, वह देश कौन सा है ?
जिसके बड़े रसीले फल कंद नाज मेवे,
सब अंग में सजे हैं, वह देश कौन सा है' ?

www.StudyGuideIndia.com

प्रश्न -२ आदिकाल की वस्तुगत एवं शिल्पगत विशेषताएँ बतलाइए । (८)

अथवा

जायसी के काव्य के प्रेमतत्व का परिचय दीजिए । (८)

प्रश्न-३ नई कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय देते हुए उसके शिल्प विधान पर प्रकाश डालिए । (८)

अथवा

अज्ञेय की कविता की प्रमुख विशेषताएँ बतलाए ।

प्रश्न-४ 'प्रगतिवाद' की व्याख्या करते हुए त्रिलोचन की प्रगतिवादी कविता का मूल्यांकन कीजिए । (८)

अथवा

'कुरुक्षेत्र' का काव्य रुप स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न-५ निम्नलखित में से किन्ही चार पर टिप्पणी लिखिए । (१६)

क) बिहारी की काव्य- भाषा ।

ख) मुक्तिबोध के काव्य की अन्तर्वस्तु ।

ग) प्रबंध काव्य की अवधारणा

घ) नरेश मेहता के काव्य का अभिव्यजंना शिल्प ।

ड) रीतिमुक्त काव्य की अवधारणा ।

च) धूमिल के काव्य में व्यंग्य ।

---

www.StudyGuideIndia.com

डॉ.बाबासाहेब आंबेड़कर ओपन युनिवर्सिटी

सत्रांत परीक्षा अगस्त-२०१०

अभ्यासक्रम : स्नातक उपाधि अभ्यासक्रम (**B.A. /B.Com.**) *नोंधणी नंबर :* _____

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं साहित्य परिचय (**EHD-03**)

दिनांक : ०५-०८-२०१०

समय : ११.०० से २.०० *कुल गुण : ७०*

सूचना : (१) सभी प्रश्नों के देना अनिवार्य हैं ।
(२) दाहिनी ओर प्रश्नों के अंक दर्शाए गए हैं ।

प्रश्न-१ (अ) यमक और रुपक अलंकारों के लक्षण और उदाहरण लिखिए । (६)

(ब) छंद किसे कहते हैं ? उसके प्रमुख प्रकारो के बीच अंतर को समझाइए । (७)

अथवा

(अ) किन्हीं दो मात्रिक छंदों के लक्षण बताते हुए सोदाहरण समझाइए । (६)

(ब) लक्षणा शब्दशक्ति के उपभेदों की सोदाहरण चर्चा कीजिए । (७)

प्रश्न-२ (अ) साहित्य के इतिहास लेखन की प्रमुख समस्याओं की चर्चा कीजिए । (७)

(ब) आदिकालीन साहित्य की सामाजिक और धार्मिक परिस्थितियों की चर्चा कीजिए । (७)

अथवा

(अ) सिद्ध साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों की चर्चा कीजिए । (७)

(ब) आदिकाल के विभिन्न नामकरणों की चर्चा कीजिए । (७)

प्रश्न-३ (अ) ज्ञानमार्गी निर्गुण काव्यधारा के किसी एक प्रमुख कवि के साहित्यिक महत्व को रेखांकित कीजिए । (७)

(ब) रीतिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ लिखिए । (७)

अथवा

www.StudyGuideIndia.com

(अ) प्रेममार्गी निर्गुण काव्य धारा की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए । (७)

(ब) सूर के विरह वर्णन की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । (७)

प्रश्न-४ (अ) हिन्दी खड़ीबोली गद्य के आरंभिक स्वरुप पर प्रकाश डालिए । (७)

(ब) भारतेन्दु के नाटकों के ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित कीजिए । (७)

अथवा

(अ) हिन्दी उपन्यास के विकास में प्रेमचंद के महत्व को रेखांकित कीजिए । (७)

(ब) छायावादी कविता में व्यक्त राष्ट्रीय चेतना को रेखांकित कीजिए । (७)

प्रश्न-५ निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिए । (१५)

१. प्रगतिवादी कविता की विशेषताएँ

२. आदिकाल की राजनीतिक परिस्थिति

३. बिहारी की बहुज्ञता

४. मैथिलीशरण गुप्त

५. तुलसी और कबीर के राम

६. नई कविता की विशेषताएँ

---

www.StudyGuideIndia.com

डॉ.बाबासाहेब आंबेड़कर ओपन युनिवर्सिटी

सत्रांत परीक्षा अगस्त-२०१०

अभ्यासक्रम : स्नातक उपाधि अभ्यासक्रम (B.A. /B.Com.) *नोंधणी नंबर :* _____

पाठ्यक्रम : मध्यकालीन भारतीय साहित्य,समाज और संस्कृति (EHD-04)

दिनांक : ०५-०८-२०१०

समय : ३.०० से ६.०० *कुल गुण : ७०*

सूचना : (१) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(२) दाहिनी ओर प्रश्नों के अंक दर्शाए गए हैं ।

प्रश्न-१ (अ) भक्ति के अर्थ को स्पष्ट करते हुए भक्ति काव्य की विशेषता बताइए । (६)

(ब) भक्ति आंदोलन के उदय को दिखाते हुए साहित्य और कला का विकास बताइए । (७)

अथवा

(अ) भक्ति आंदोलन का प्रचार – प्रसार और विकास को समझाइए । (६)

(ब) पूर्व मध्यकालीन भक्ति आंदोलन को रेखांकित कीजिए । (७)

प्रश्न-२ (अ) तेलगु भक्ति काव्य की शैव- निर्गुण धारा को समझाइए । (७)

(ब) ज्ञानाश्रयी कवि और काव्य के बारे में अपने विचार प्रगट करें । (७)

अथवा

(अ) जायसी का व्यक्तित्व और कृतित्व के बारे में अपने विचारों को प्रगट करें । (७)

(ब) गुजराती साहित्य में नरसिंह महेता का काव्य भाव और सामाजिक पक्ष को स्पष्ट करें । (७)

प्रश्न-३ (अ) असमिया भक्ति काव्य का सामाजिक- सांस्कृतिक पक्ष की चर्चा करें । (७)

(ब) कबीर की कविता के निर्गुण पक्ष की चर्चा करें । (७)

अथवा

(अ) अखो- काव्य में सामाजिक पक्ष- भक्ति का समन्वय है स्पष्ट करें । (७)

(ब) तुलसी साहित्य में अभिव्यक्त समाज को दिखाकर अपने विचार प्रगट करें । (७)

www.StudyGuideIndia.com

प्रश्न-४ (अ) कश्मीरी भक्ति काव्य के दार्शनिक आधार की चर्चा करें । (७)

(ब) बांगला में चैतन्य और उनके भक्ति आंदोलन की चर्चा करें । (७)

अथवा

(अ) सूरदास के वत्सल भाव को दिखाइए । (७)

(ब) ज्ञानमार्गी काव्य की विशेषता बताइए । (७)

प्रश्न-५ निम्नलिखित में से किन्ही तीन पर टिप्पणी लिखिए । (१५)

१. प्रेमानंद
२. गोविंददास की भक्तिभावना
३. ज्ञानेश्वर काव्य का सामाजिक पक्ष
४. परमानंद परिचय- कृतित्व
५. प्रेमाश्रयी सुफी काव्य - सामाजिक पक्ष
६. तुलसीदास

---

www.StudyGuideIndia.com

डॉ.बाबासाहेब आंबेड़कर ओपन युनिवर्सिटी

सत्रांत परीक्षा अगस्त-२०१०

अभ्यासक्रम : स्नातक उपाधि अभ्यासक्रम (B.A. /B.Com.) *नोंधणी नंबर :* _____

पाठ्यक्रम : आधुनिक भारतीय साहित्य (EHD-05)

दिनांक : ०६-०८-२०१०

समय : ११.०० से २.०० *कुल गुण : ७०*

सूचना : (१) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं ।

(२) दाहिनी ओर प्रश्नों के अंक दर्शाए गए हैं ।

प्रश्न-१ (अ) नवजागरण और राष्ट्रीय चेतना का अंत:संबंध स्पष्ट कीजिए (६)

(ब) संस्कृति और समाज के संदर्भ- में भारतीय स्वाधीनता आंदोलन पर अपने विचार बताइए । (७)

अथवा

(अ) नवजागरण में विभिन्न धार्मिक-सामाजिक सुधार आंदोलनो की भूमिका स्पष्ट कीजिए ।

(ब) बंकिमचंद्र की राष्ट्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न-२ (अ) जन आंदोलन में कवि नजरुल की कविताओं के योगदान को स्पष्ट कीजिए । (७)

(ब) सुब्रह्मण्यम भारती के साहित्य में नवजागरण के तत्त्वों का निरुपण कीजिए । (७)

अथवा

(अ) उपन्यासकार 'कल्कि' के सामाजिक उपन्यासों की विशेषताएँ बताइए । (७)

(ब) वल्लतोल की कविता में आजादी और राष्ट्रीय आंदोलन के निरुपण का मूल्यांकन कीजिए । (७)

प्रश्न-३ (अ) स्वतंत्रता आंदोलन में आंध्र के आदिवासी विद्रोह का महत्व बताइए । (७)

(ब) आधुनिक मराठी साहित्य की पृष्ठभूमि समझाकर लिखिए । (७)

अथवा

(अ) गुजराती भाषा- साहित्य के विकास मे नर्मद के योगदान की चर्चा कीजिए । (७)

(ब) आधुनिक गुजराती साहित्य में नवजागरण का विकास क्रम स्पष्ट कीजिए । (७)

www.StudyGuideIndia.com

प्रश्न-४ (अ) कन्नड़ साहित्य पर गांधी के प्रभाव को रेखांकित कीजिए । (७)

(ब) 'दिनकर' के काव्य में निरुपित राष्ट्रीयता को स्पष्ट कीजिए । (७)

अथवा

(अ) चंद्रगुप्त में व्यक्त नारी चेतना की समीक्षा कीजिए । (७)

(ब) सुमित्रानंदन पंत की कविता में व्यक्त राष्ट्रीय चेतना और नवजागरण को समझाकर लिखिए । (७)

प्रश्न-५ निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए । (१५)

१ कश्मीरी साहित्य : राष्ट्रीय चेतना

२ नवजागरण का उर्दू साहित्य

३ झवेरचंद मेघाणी

४ प्रेमचंद

५ ब्रह्मसमाज और नवजागरण

६ वैकम मुहम्मद बशीर की कहानियाँ

---

www.StudyGuideIndia.com

डॉ.बाबासाहेब आंबेड़कर ओपन युनिवर्सिटी

सत्रांत परीक्षा अगस्त-२०१०

अभ्यासक्रम : स्नातक उपाधि अभ्यासक्रम (B.A. /B.Com.) *नोंधणी नंबर :* _____

पाठ्यक्रम : हिन्दी भाषा: इतिहास और वर्तमान (EHD-06)

दिनांक : ०६-०८-२०१०

समय : ३.०० से ६.०० *कुल गुण : ७०*

सूचना : (१) सभी प्रश्नों के देना अनिवार्य हैं ।

(२) दाहिनी ओर प्रश्नों के अंक दर्शाए गए हैं ।

प्रश्न-१ (अ) भारतीय भाषा परिवार का परिचय दीजिए । (६)

(ब) भाषा के संरचना पक्ष पर प्रकाश डालिए । (७)

अथवा

(अ) डॉ. ग्रियर्सन एवम् डॉ.चटर्जी द्वारा प्रस्तुत भारतीय आर्य भाषाओं के वर्गीकरण को समझाइए । (६)

(ब) हिन्दी की प्रमुख बोलियों का परिचय दीजिए । (७)

प्रश्न-२ (अ) मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाओं का परिचय दीजिए । (७)

(ब) हिन्दी भाषा की विभिन्न भूमिकाओं पर प्रकाश डालिए । (७)

अथवा

(अ) भाषा के सामान्य प्रकार्य बताइए । (७)

(ब) बोलचाल की भाषा और लिखित भाषा की प्रकृति समझाइए । (७)

प्रश्न-३ (अ) पश्चिमी हिन्दी और पूर्वी हिन्दी में अंतर बताइए । (७)

(ब) राजभाषा बनाम राष्ट्रभाषा पर एक लघु निबन्ध लिखिए । (७)

अथवा

(अ) राजभाषा संबंधी राष्ट्रपति का आदेश, १९६० का विवेचन कीजिए । (७)

(ब) संपर्क भाषा हिन्दी के विकास में अनुवाद का महत्व स्पष्ट कीजिए । (७)

प्रश्न-४ (अ) प्रयोजन मूलक हिन्दी की प्रयुक्तियों का परिचय दीजिए । (७)

www.StudyGuideIndia.com

(ब) संपर्क लिपि के रुप में देवनागरी के महत्त्व को रेखांक्ति कीजिए । (७)

अथवा

(अ) विदेशों में हिन्दी के प्रयोजन पक्षों की चर्चा कीजिए । (७)

(ब) हिन्दी वर्तनी के मानकीकरण के स्वरुप पर प्रकाश डालिए । (७)

प्रश्न-५ किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए । (१५)

१. हिन्दी का आदिकाल
२. द्रविण कुल की भाषाएँ
३. भाषा और बोली में अंतर
४. भाषा कोड
५. लौकिक संस्कृत
६. उच्च शिक्षा में भाषा का स्वरुप

---

www.StudyGuideIndia.com